

[श्री रामलाल राही]

सरकार का ध्यान गन्ने की फसल में लगने वाले रोगों की तरफ दिलाना चाहता हूँ। यह रोग इस प्रकार बढ़ रहे हैं कि महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों की हजारों हैक्टियर गन्ने की खड़ी फसलों में ग्रेब अथवा हापर आदि नाम के कीड़े गन्ने की पत्तियों को खाकर पूरी की पूरी फसलें नष्ट करते जा रहे हैं। कीटनाशक दवाइयाँ इन रोगों को रोक पाने में असफल रही हैं। परिणामस्वरूप गन्ने के उत्पादन में गिरावट आना प्रारम्भ हो गई है। वर्ष 1982-83 में देश में जहाँ गन्ना लगभग 189 मिलियन टन हुआ था, वहीं सन् 1983-84 में 25% के लगभग कम हो गया है। गन्ना शोध संस्थान गन्ने की तरह-तरह की किस्में तो बना रहा है, बढ़ा रहा है, परन्तु गन्ने में लगने वाले रोगों की रोकथाम करने के उपाय करने में असफल रहा है।

उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई आदि जिलों में भी गन्ने की हजारों हैक्टियर खड़ी फसलें नष्ट हो रही हैं। मैं स्वयं जा कर देख आया हूँ। जहाँ यह रोग गन्ने की फसलों में लगा है वहीं अन्य खरीफ की फसलें जैसे ज्वार, बाजरा, मूंगफली आदि की फसलों की पत्तियों को खाता व नष्ट करता जा रहा है। यदि यही स्थिति रही तो गन्ना उत्पादक क्षेत्र के किसान हतोत्साहित होकर गन्ने की फसलों को बोना और कम कर देंगे। परिणाम-स्वरूप चीनी के आयात की स्थिति भी उत्पन्न हो जाएगी। किसानों में व्यापक रोष है। सरकार से मांग है कि अविलम्ब इस रोग के निदान के उपाय किये जायें। युद्धस्तर पर प्रभावी दवाइयों का छिड़काव कराकर फसलें बचाई जायें और गन्ना शोध संस्थान गन्ने में लगने वाले रोगों के रोकने के उपाय पर प्रभावी कदम उठावे।

(x) Need to declare Purnea district of Bihar as famine-stricken

श्रीमती माधुरी सिंह (पूर्णिमा) : मान्यवर, नियम 377 के अन्तर्गत मैं मंत्री जी का ध्यान अपने क्षेत्र पूर्णिमा की ओर दिलाना चाहती हूँ जो

बाढ़ और वर्षा के कारण तबाह हो रहा है। शहर हो या देहात, लोग बड़ी ही मुश्किल से गुजर रहे हैं। शहर के कोई भी मुख्य स्थान पर लोग आसानी से नहीं पहुँच सकते हैं। किसानों के लिए तो विषम समस्याएँ बनी हुई हैं। जब मैं पिछली बार गर्मी के मौसम में अपने क्षेत्र के दौरे पर गई थी तो बजाए गर्मी से परेशान होने के वर्षा से कठिनाई का सामना करना पड़ा था और अभी की तो हालत ही कुछ और है। गर्मी के मारे सारी फसल नष्ट हो चुकी है। किसान तैयार फसल खेतों से घर नहीं ला सके। अभी पानी का जमाव इतना है कि लोग 5 प्रतिशत से ज्यादा धान नहीं पा सकेंगे। भारत सरकार से मेरा अनुरोध है कि बिहार सरकार से कहा जाय कि जल्द से जल्द वहाँ अकालग्रस्त इलाका घोषित किया जाये जिससे किसान, मजदूर राहत की सांस ले सकें। मेरा एक निवेदन और है कि 84-85 का खजाना माफ कर दिया जाये तथा रबी फसल के लिए गरीब किसानों के लिए ज्यादा से ज्यादा बीज अनुदान के रूप में दिया जाए।

(xi) Need to improve the working of telephone exchanges in Vidisha Parliamentary Constituency

SHRI PRATAP BHANU SHARMA (Vidisha) : Under Rule 377, I make the following statement :

The telephone system in Vidisha Parliamentary Constituency is totally defunct and defective. Subscribers are experiencing day to day difficulties in local and trunk calls. Most of the exchanges are either defective or out of order due to poor maintenance and faulty equipments. I would like to draw the attention of the Communications Minister to the following points :

1. Vidisha auto exchange is not working satisfactorily due to various technical faults and ineffective maintenance.
2. Vidisha Trunk Exchange is connected with Indore-TAX by means of Operator Trunk Dialling Circuit (OTD). But most of the time the TAX system remains out of order resulting in poor trunk services to the subscribers of Vidisha District.